

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 20, भाग 1

2 राजा 6-8, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

नमस्ते, हम राजाओं की पुस्तकों का अध्ययन जारी रख रहे हैं। हम 2 राजाओं में हैं। हम पिछले कई सत्रों के दौरान एलिय्याह और एलीशा की सेवकाई पर नज़र डाल रहे हैं, क्योंकि उन्होंने उत्तरी इस्राएल राज्य में बाल पूजा के प्रचलन का मुकाबला किया और कैसे उन्होंने यहोवा की सेवकाई, प्रचलन, शक्ति और महिमा को बनाए रखने की कोशिश की।

और आज हम एलीशा के उद्धार के निरंतर मंत्रालय का अध्ययन जारी रख रहे हैं। यह अध्याय 6 और 7 में है और अध्याय 8 की पहली आयतों में है।

आइए हम शुरू करते समय प्रार्थना करें। स्वर्गीय पिता, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि सारा इतिहास आपके नियंत्रण में है।

हम आपको धन्यवाद देते हैं कि जो कुछ भी घटित होता है वह आपके लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। धन्यवाद कि आप समय की पूरी अवधि को देख पाते हैं। धन्यवाद कि आप काम पर हैं, ठीक करने के लिए काम पर हैं, मुक्ति के लिए काम पर हैं, उद्धार करने के लिए काम पर हैं।

धन्यवाद। आपका इरादा हमें आशीर्वाद देने का है, अगर हम न्यूनतम शर्तें पूरी करते हैं। और जब हम मानव इतिहास पर नज़र डालते हैं, तो हम पाते हैं कि यही सच है। धन्यवाद।

अब जब हम आपकी पुस्तक को देख रहे हैं, तो हमारी सहायता करें। पवित्र आत्मा की शक्ति से, हमें और अधिक गहराई से, अधिक पूर्णता से, अधिक जीवंतता से समझने दें कि आप हमें क्या कहना चाहते हैं। ये केवल एक पृष्ठ पर लिखे शब्द न हों, बल्कि ये हमारे हृदय पर लिखे गए अग्नि के शब्द हों। आपके नाम पर हम धन्यवाद के साथ प्रार्थना करते हैं, आमीन।

पिछले सत्र के अंत में, हमने देखा कि कैसे शास्त्र कहता है कि सीरियाई लोगों ने इज़राइल पर अपना आक्रमण बंद कर दिया।

यह अध्याय 6, श्लोक 23 में था। अब, अध्याय 6, श्लोक 24 में, हम पढ़ते हैं कि अराम के राजा बेन-हदद ने अपनी पूरी सेना को संगठित किया और मार्च किया और सामरिया को घेर लिया। इसलिए, हम नहीं जानते। क्या यह एक साल या उससे ज़्यादा बीत जाने के बाद हुआ है? या हम उन सामग्रियों से निपट रहे हैं जो धार्मिक क्रम में हैं और कालानुक्रमिक क्रम में नहीं हैं? मेरा अनुमान है कि, वास्तव में, पहले वाला अंश जो कह रहा था वह यह था कि अब कोई और हमलावर नहीं थे, इस जगह पर छापा और उस जगह पर छापा।

लेकिन अब बेन-हदद ने फैसला किया है कि वह आकर इसराइल की राजधानी पर कब्ज़ा करने की कोशिश करेगा और बस सारा काम खत्म कर देगा। इसलिए वह आता है और घेराबंदी करता है। अहाब से पहले भी यही हुआ था।

और यहाँ फिर से वही है। और एक शहर में घेराबंदी एक भयानक, भयानक अनुभव था।
आमतौर पर, शहरों में पानी की पर्याप्त आपूर्ति होती थी, जो बिल्कुल आवश्यक थी।

लेकिन अगर घेराबंदी लंबे समय तक जारी रही तो जल्द ही या बाद में भोजन खत्म हो जाएगा।
और यही तस्वीर हम यहाँ देख रहे हैं। इसलिए हमें बताया गया कि एक गधे का सिर 80 शेकेल में बिका।

अब, हमें लेविटस की पुस्तक में बताया गया है कि एक पुरुष दास को 50 शेकेल में बेचा गया था।
और हम होशे की पुस्तक से जानते हैं कि होशे ने अपनी पत्नी को 15 शेकेल में दास के रूप में वापस खरीदा था। लेकिन यहाँ, एक गधे के सिर की कीमत 80 शेकेल है।

तो, हम यहाँ घटित होने वाली त्रासदी को देखते हैं। राजा दीवार पर चल रहा है, और एक महिला उससे मदद माँगती है। पद 27 में उसका जवाब बहुत दिलचस्प है।

अगर प्रभु तुम्हारी मदद नहीं करते, तो मैं तुम्हारी मदद कहाँ से ला सकता हूँ? खलिहान से?
शराब बनाने की भट्टी से? निराशा के शब्द। हमने अध्याय 3 में पहले देखा था जब राजा योराम ने कहा था, चूँकि हम पानी से बाहर हैं, तो जाहिर है कि भगवान ही हमें यहाँ नाश करने के लिए लाए हैं। हम आगे भी इसी तरह का रवैया देखेंगे।

यह कहाँ से आता है? हम क्यों मान लेते हैं कि ईश्वर हमें पकड़ने के लिए बाहर है? मेरे अनुभव में,
यह पाप का परिणाम है। जब पाप ने मुझे ईश्वर से अलग कर दिया है, तो दुश्मन के लिए यह बहुत आसान है कि वह आकर फुसफुसाए और कहे, हाँ, वह तुम्हें पकड़ने के लिए बाहर है। वह तुम्हारा जीवन कठिन बनाने के लिए बाहर है।

वह आपके लिए मुश्किलें खड़ी करना चाहता है। लेकिन जब उसके साथ हमारा रिश्ता अच्छा और साफ-सुथरा होता है, तो हम जानते हैं कि वह हमें नहीं चाहता। वह हमें आशीर्वाद देना चाहता है।

वह हमारी जिंदगी को मुश्किल बनाने के लिए नहीं आया है। वह इसे आसान बनाने के लिए आया है। वह हमारे पक्ष में है।

लेकिन जब पाप हमारे अंदर आ जाता है और हमें उससे अलग कर देता है, तब हम यह कहने लगते हैं कि, ओह, वह मुझे पकड़ने के लिए बाहर है। हाँ, मेरे साथ ये बुरी चीजें इसलिए हुई हैं क्योंकि वह मेरे पीछे पड़ा है। यह शैतान की बात है।

और वह यहाँ इस राजा से बात कर रहा था। महिला उसे एक भयानक कहानी सुनाती है। हम दोनों, मैं और मेरा पड़ोसी, हम अपने बच्चों को खाने के लिए सहमत हुए।

और इसलिए, हमने अपना खाया, लेकिन अब उसने अपना मुझसे छिपा लिया है। मेरी मदद करो। क्या यह तुम्हें कुछ याद दिलाता है? क्या यह तुम्हें सुलैमान और दो वेश्याओं की कहानी की याद दिलाता है? मुझे लगता है कि यह जानबूझकर किया गया है।

वहाँ, आप समस्या से निपटने के लिए ईश्वर द्वारा दी गई बुद्धि को देखते हैं। यहाँ, राजा कहता है, मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि हम यहाँ 1 राजा 11 और 2 राजा 6 के बीच देखते हैं कि हम सुलैमान के पाप और उसके बाद से जो कुछ भी हुआ है, उसके परिणामस्वरूप एक दुखद गिरावट देख रहे हैं।

जब राजा ने महिला की बातें सुनीं, श्लोक 30, तो उसने अपने वस्त्र फाड़ लिए। जब वह दीवार के साथ-साथ चल रहा था, तो लोगों ने देखा, और उन्होंने देखा कि उसके वस्त्रों के नीचे, उसके शरीर पर टाट का कपड़ा था। हम्म।

बर्लेप बैग। यह अक्सर पश्चाताप का प्रतीक होता है, लेकिन उसके अगले शब्द पश्चातापी पापी के शब्द नहीं हैं। उसने कहा, भगवान मेरे साथ ऐसा व्यवहार करे, चाहे वह कितना भी कठोर क्यों न हो।

यहाँ एक शपथ है। वह शपथ ले रहा है। अगर एलीशा के बेटे शापात का सिर आज भी उसके कंधों पर रहा तो भगवान मुझे धिक्कारें।

क्या? क्या? यह एलीशा की गलती है। क्या यह दिलचस्प नहीं है? कितनी बार, जब हम मुसीबत में होते हैं, तो हम किसी और को दोषी ठहराने की तलाश करते हैं। खैर, जेहोराम, शायद यह तुम्हारी गलती है।

हो सकता है कि तुम यहोवा के प्रति उस तरह से वफ़ादार नहीं रहे हो जैसा तुम्हें होना चाहिए था। नहीं, नहीं, यह एलीशा की गलती है। एलीशा का इस सब से क्या लेना-देना है? वैसे भी, यह बेन-हदाद ही है जिसने आकर उन्हें घेर लिया है, लेकिन यह तो हो गया।

बस यही है। यह उसकी गलती है। यह उनकी गलती है।

यह उसकी गलती है। कोई बात नहीं। मेरे लिए कभी ऐसा मौका नहीं आया कि मैं अपने चेहरे पर गिरकर कहूँ, हे प्रभु, क्या यह मैं हूँ? और उसकी आवाज सुनकर कहूँ, हाँ, वास्तव में, यह मैं ही हूँ।

मुझे क्या करना चाहिए? लेकिन हम कितनी आसानी से किसी और को परेशानी के लिए दोषी ठहरा सकते हैं? अब, एलीशा अपने घर में बैठा था, और उसके साथ बुजुर्ग बैठे थे। राजा ने एक दूत को आगे भेजा।

लेकिन उसके पहुँचने से पहले, एलीशा ने बुजुर्गों से कहा, क्या तुम नहीं देखते कि यह हत्यारा मेरा सिर काटने के लिए किसी को भेज रहा है? सालों पहले, अहज्याह की भी यही प्रतिक्रिया थी जब उसने मक्खियों के देवता बेलज़ेबूब को पलिशती शहर एक्रोन में यह पूछने के लिए भेजा था कि

उसका बेटा बच जाएगा या नहीं। एलिय्याह ने अपने दूतों से मुलाकात की और कहा, क्या इस्राएल में कोई ईश्वर नहीं है कि तुम्हें पूछताछ करने के लिए किसी दूसरे देश में जाना पड़े? और अहज्याह की क्या प्रतिक्रिया थी? एलिय्याह को मार डालो। उसे पकड़ लो।

उसे मार डालो। हम परमेश्वर का वचन नहीं सुनना चाहते जब हम उसके विरुद्ध जी रहे हैं, है न? हम नहीं चाहते कि हमारे लिए सही नुस्खा लिखा जाए। हम किसी और को दोषी ठहराना चाहते हैं।

हम अपनी समस्याओं के लिए भगवान को दोषी ठहराना चाहते हैं। जब संदेशवाहक आए, तो दरवाजा बंद कर दें, उसे उसके सामने बंद रखें। क्या यह उसके पीछे उसके मालिक के कदमों की आवाज़ नहीं है? हाँ।

आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहते जो आपके काम करने से पहले ही जानता हो कि आप क्या करने जा रहे हैं। लेकिन किसी तरह, इन लोगों को कभी भी यह समझ नहीं आया। अगर आप एलीशा को मारने जा रहे हैं, तो एलीशा को पता है कि आप उसे मारने जा रहे हैं।

और एलीशा इस बारे में कुछ कर सकता है। जब वह उनसे बात कर रहा था, तो दूत उसके पास आया। अब, ध्यान दें कि हम यहाँ गियर बदलते हैं।

राजा ने कहा, अब, मुझे लगता है कि यह राजा ने खुद से कहा होगा। लेकिन हो सकता है कि यह कुछ ऐसा हो जो उसने दूत को बताने के लिए कहा हो। हम ठीक से नहीं जानते।

राजा ने कहा, यह फिर से है। यह विपत्ति प्रभु की ओर से है। मैं अब और प्रभु का इंतजार क्यों करूँ? अब, यदि आप इस पूरे सत्र, या सत्रों के समूह, अध्ययन के दौरान मेरे साथ रहे हैं, तो आप एक बात जानते हैं जो मैंने बार-बार कही है: हिब्रू में, प्रतीक्षा शब्द भरोसे का पर्याय है। तो, वह क्या कह रहा है? यह विपत्ति प्रभु की ओर से है।

तो फिर मुझे उस पर भरोसा क्यों करना चाहिए कि वह मुझे बचाएगा? यहाँ भी, आप देख रहे हैं, यहोवा मुझे बचाने के लिए बाहर है। इसलिए, मैं उस पर भरोसा नहीं करने जा रहा हूँ कि वह मुझे बचाएगा। बेन-हदाद यहाँ हमारे शहर को घेर रहा है, और हमें इस भयानक, भयानक स्थिति में डाल रहा है।

क्योंकि यहोवा ने उसे भेजा है। इसलिए, मैं यहोवा पर भरोसा नहीं करने जा रहा हूँ। दोस्तों, हमें इस तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए सोचना चाहिए।

बाइबल हमें यह नहीं बताती कि यहोवा ने बेन-हदाद को भेजा था। हो सकता है कि उसने ऐसा किया हो, लेकिन बाइबल हमें यह नहीं बताती।

यह सिर्फ़ इतना कहता है कि बेन-हदाद ने अपने पड़ोसी पर हमला करने का आक्रामक फैसला किया। तो यह नंबर एक है। जब मुश्किलें आपके सामने आएँ तो यह मत सोचिए कि भगवान ने उन्हें भेजा है।

लेकिन मैंने पहले भी कहा है, और मैं इसे फिर से कहना चाहता हूँ: हमारे साथ ऐसा कुछ भी नहीं होता जो यहोवा की अनुमति के बिना हमारे पास आता है। यहोवा स्वर्ग में बैठकर यह नहीं कह रहा है कि, ओह, मेरे, यह देखो। ओह, मुझे उम्मीद नहीं थी कि वे ऐसा करेंगे।

खैर, अब मुझे आश्चर्य है कि वे इससे कैसे बाहर निकलेंगे। नहीं, नहीं। दूसरी ओर, हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि भगवान कहते हैं कि ओसवाल्ड को टूटे हुए हाथ की ज़रूरत है।

मैं उसके लिए उसका हाथ तोड़ने जा रहा हूँ। यह हमारा भगवान नहीं है। जब हम मुसीबत में पड़ते हैं, तो सबसे पहले, इसके लिए भगवान को दोष न दें।

लेकिन दूसरा, जान लें कि अगर यह आपके साथ हुआ है, तो यह उसकी अनुमति से हुआ है, और वह आपको इससे बाहर निकाल सकता है। तो, योराम कह रहा है, ठीक है, यहोवा ने बेन-हदाद को भेजा है, और मैं अब यहोवा पर भरोसा नहीं करने वाला हूँ। अच्छा, एक मिनट रुकिए।

अगर यहोवा ने इसे भेजा था, तो उसका उद्देश्य क्या था? खैर, उसका उद्देश्य हमें नष्ट करना था। नहीं, नहीं, नहीं। परमेश्वर का उद्देश्य हमें नष्ट करना कभी नहीं है।

उसका उद्देश्य हमें शुद्ध करना, हमें परिष्कृत करना, हमें पश्चाताप की ओर ले जाना, हमें बदल देना है। हाँ, यही वह क्षण है। प्रभु, यदि आपने हमारे विरुद्ध इस व्यक्ति को भेजा है, यदि आपने यह मुसीबत भेजी है, तो प्रभु, आप हमें कैसे बचाना चाहते हैं? आप हमारे जीवन में कैसे काम करना चाहते हैं? आप हमें पश्चाताप और परिवर्तन की ओर कैसे ले जाना चाहते हैं? लेकिन यह बात उसके दिमाग में कभी नहीं आई।

संदेशवाहक को मार डालो। क्या तुम वहाँ थे? क्या तुम वहाँ हो? क्या तुम मुसीबत में हो? यहोवा को दोष मत दो। उस पर भरोसा रखो कि चाहे उसने इसे बनाया हो या इसकी अनुमति दी हो, वह तुम्हें इससे बाहर निकाल सकता है, अगर तुम चाहो तो उसकी ओर लौट आओ। उसे अपनी स्थिति के लिए अपना नुस्खा बताने दो और तुम्हें नए जीवन की ऊँची भूमि पर आने दो। इसीलिए यीशु आए।

ताकि हमारे जीवन में परमेश्वर की शक्ति की कोई सीमा न हो। इसलिए, एलीशा ने उत्तर दिया, प्रभु का वचन सुनो। यह अध्याय सात, श्लोक एक है।

यहोवा यह कहता है: कल इसी समय, एक शेकेल में एक समुद्र का बेहतरीन आटा बिकेगा। सामरिया के फाटक पर एक बुशल और दो बुशल जौ एक शेकेल में बिकेंगे। और अब हम देखते हैं कि राजा ने अपने चारों ओर किसे घेर रखा था।

जिस अधिकारी की बांह पर राजा झुका हुआ था, उसने परमेश्वर के जन से कहा, देखो, अगर यहोवा स्वर्ग के द्वार भी खोल दे, जो कि वह निश्चित रूप से नहीं खोलेगा, क्योंकि वह हमें पकड़ने के लिए बाहर है, तो क्या यह हो सकता है? तुम इसे अपनी आँखों से देखोगे, एलीशा ने उत्तर दिया, लेकिन तुम इसमें से कुछ भी नहीं खाओगे। हे भगवान। जब परमेश्वर तुमसे कोई वादा करता है, तो उस पर विश्वास करो, उस पर सवाल मत उठाओ।

जब ईश्वर आपको अपना नया जीवन प्रदान करता है, ओह, इसे स्वीकार कर लीजिए। आप कहते हैं कि वह ऐसा नहीं कर सकता। यह संभव नहीं है।

मेरी ज़िंदगी बर्बाद हो गई है। भगवान ऐसा नहीं कर सकते।

ओह, दोस्तों, वह कर सकता है। वह कर सकता है। सहस्राब्दियों से, परमेश्वर ने जिस तरह से टूटे हुए, बर्बाद हुए जीवन को संभाला है और उन्हें बहाल किया है, उसकी कहानियाँ असंख्य हैं।

उस पर विश्वास करो। ओह, यहोवा ऐसा नहीं कर सकता। हाँ, वह कर सकता था। इस पर विश्वास करो।